● सुनो, समझो और गाओ :

१५. झाँसी की रानी

– सुभद्राकुमारी चौहान

जन्म : १९०४ **मृत्यु :** १९३९ **रचनाएँ :** 'मुकुल', 'उन्मादिनी', 'श्रीधारा' आदि । **परिचय :** आपकी रचनाएँ राष्ट्रप्रेम और नारीसुलभ भावनाओं से ओतप्रोत हैं । प्रस्तुत कविता में कवयित्री ने झाँसी की रानी की शौर्यगाथा एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके बलिदान का वर्णन किया है ।

अध्ययन कौशल

अब तक पढ़े नए शब्दों का लघु शब्दकोश तैयार करो ।

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी ।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी ।।

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार ।
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार ।।
नकली युद्‌ध , व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार ।
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवार ।।
महाराष्ट्र कुल देवी उसकी भी आराध्य भवानी थी ।।१।।

कुटियों में थी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान ।
वीर सैनिकों के मन में था, अपने पुरखों का अभिमान ।।
नाना धुंधूपंत पेशवा जुटा रहा था सब सामान ।
बहिन छबीली ने रणचंडी का कर दिया प्रकट आह्वान ।।
हुआ यज्ञ प्रारंभ उन्हें तो सोई ज्योति जगानी थी ।।२।।

❑ कविता की लय-ताल, हाव-भाव सहित प्रस्तुति करें । झाँसी की रानी के युद्‌धकौशल संबंधी प्रश्न पूछें । कविता के एक-एक चरण का गुट में गायन कराएँ । देशभक्ति की अन्य कविता सुनाने के लिए कहें ।

जरा सोचो तो ..... चर्चा करो

यदि सड़क के सिग्नल न हों तो ...

महलों ने दी आग, झोंपड़ों ने ज्वाला सुलगाई थी ।
यह स्वतंत्रता की चिनगारी अंतरतम से आई थी ।।
झाँसी चेती, दिल्ली चेती, लखनऊ लपटें छाई थीं ।
मेरठ, कानपुर, पटना ने भारी धूम मचाई थी ।।
जबलपुर, कोल्हापुर में भी कुछ हलचल उकसानी थी ।।३।।

जाओ रानी याद रखेंगे हम कृतज्ञ भारतवासी ।
यह तेरा बलिदान जगाएगा स्वतंत्रता अविनाशी ।।
होवे चुप इतिहास, लगे सच्चाई को चाहे फाँसी ।
हो मदमाती विजय, मिटा दे गोलों से चाहे झाँसी ।।
तेरा स्मारक तू ही होगी, तू खुद अमिट निशानी थी ।।४।।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द
खिलवार = खेल
दुर्ग = किला
चिनगारी = अग्निकण
मदमाती = मतवाली
बलिदान = त्याग
अमिट = न मिटने वाली

स्वयं अध्ययन

'वसुंधरा दिवस' कैसे मनाएँ ,इसके बारे में जानकारी लिखो ।

खोजबीन

आकाश गंगा की जानकारी प्राप्त करो ।

सुनो तो जरा

कोई स्फूर्ति गीत सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

झाँसी की रानी के बचपन संबंधी कोई प्रसंग/घटना बताओ ।

वाचन जगत से

विभिन्न क्षेत्रों की प्रथम भारतीय महिलाओं की जानकारी पढ़ो और बताओ ।

मेरी कलम से

अपने परिवेश के दिव्यांग व्यक्ति का साक्षात्कार लेने हेतु पाँच-छह प्रश्न बनाकर लिखो ।

*निम्नलिखित भावों से संबंधित पंक्तियाँ लिखो ।

१. स्वतंत्रता की इच्छा हर भारतीय के मन में जाग उठी थी ।

२. झाँसी की रानी अपने आप में एक स्मारक है ।

सदैव ध्यान में रखो

देश के प्रति त्याग और समर्पण की भावना होनी चाहिए ।

विचार मंथन

।। स्वतंत्रता अनमोल होती है ।।

भाषा की ओर

निम्न वाक्यों के काल पहचान कर उसे अन्य दो कालों में परिवर्तित करके लिखो :

काल

मैं साइकिल चलाना सीखूँगा ।

शीतल ने पत्र लिखा है ।

तृषा पुस्तक पढ़ रही थी ।

सलीम जा रहा था ।

हम मुंबई जाएँगे ।